HIN1B08a – Séance N° 3
Les degrés de l'adjectif

Séquence1 :
- कहानी का अंत कुछ ख़ास नहीं था।
- हाँ यह बेहतर हो सकता है।
- वह हमेशा ख़ुशी ख़ुशी रहे, इस**से अच्छा** अंत तो हो ही नहीं सकता। एक बड़ा ख़ुशहाल परिवार, हर कहानी का अंत ऐसा ही होता है।

Séquence 2 :
- मेरे लिए सिर्फ़ दो चीज़ें जान **से भी प्यारी।** एक तो प्लेन उड़ाना और एक सोन्या।

Séquence 3 :
- अबे तू यहाँ क्या कर रहा है ?
- मैं यहाँ कीड़े-मकोड़े साफ़ कर रहा हूँ।
- कीड़े-मकोड़े ?
- हाँ।
- कीड़े हाँ ?
- हाँ इनकी वजह से यहाँ काफ़ी गंदगी फेल गई है।
- जानता है मैं भी आसपास बहुत गंदगी महसूस कर रहा हूँ। जब मैं इन आँखों से धर तक देखता हूँ तो मुझे हर तरफ़ इनसानों की गंदगी दिखाई देती है। इनसान जो अपने-आप को दूसरों **से ऊँचा** समझते हैं पर असल में ख़ुद किड़े-मकोड़ों की ज़िन्दगी जीते हैं।
- ओह, क्या आप इनसे छुटकारा नहीं पाना चाहते ?
- हाँ, **जल्द से जल्द।**

Séquence 4 :
- जानते है जलाल यह क्या है ? ज़हर की कुप्पी। जोधा के सामान से मिली है। अब **मेरा सबसे बड़ा ख़ौफ़** शक्ल ले रहा है।

Séquence 5 :
- दुनिया का **बेहतरीन** खाना फ़ांस में बनता है, फ़्रांस का **बेहतरीन** खाना पेरिस में, और पेरिस में **बेहतरीन** खाना बनाता है शेफ़ ऑगस्ट गूस्टो। गूस्टो का रेटोरेंट पेरिस की शान है। यह पाँच महीने पहले ही बूक हो जाता है। और गूस्टो के ज़ाइकों की बढ़ती शोहरत ने दूसरे रेस्टोरेंट के मालिकों में जलन पैदा कर दी है। फ़ाइव स्टार का दर्जा पानेवालों में वह **सबसे कम उम्र** बावर्ची है।

Séquence 6 :
- I'm sorry.
- It's OK.
- मैं इस **दुनिया का सबसे ख़राब** पिता हूँ न।
- बिलकुल नहीं। आप इस दुनिया के सबसे अच्छे पापा हैं।
- Happy birthday बेटे। मैं दुआ करता हूँ कि आपके दिल का हर अरमान पूरा हो, हर सपना सच हो।

Séquence 7 :
- Meet Rohit Patel. Son of Karsanbhai and Sarlabhen Patel. Karsanbhai America के **सबसे अमीर गुजरातियों में से थे**। उनका food chain पूरे देश में काफ़ी मशहूर था।

Séquence 8 :
- तारीफ़ करो।
- क्या ?
- कुछ अच्छा बोलो न।
- तू केला सिल्क **से भी ज़्यादा चमकती है।**
- धोबी जैसे बातें मत करो। हर बात भी कपड़ा।
- मोहल्ले में सबसे ख़ूबसूरत छोकरी।